B.A-II (Hons+ sub)
Paper - III
Unit - II Topic - Topographical aspect of mind

मन का आकारात्मक पहलू

मन के आकारात्मक पहलू से तात्पर्य वैसे पहलू से होता है जहाँ संघर्षमय परिस्थिति की गत्यात्मकता उत्पन्न होती है। मन का आकारात्मक पहलू व्यक्तित्व की गत्यात्मक शक्तियों के बीच होने वाले संघर्षों का एक कार्यस्थल है।

ब्राउन के शब्दों में, "मन का आकारात्मक पहलू वह है जहाँ संघर्षमय परिस्थितियों की गत्यात्मकता उत्पन्न होती है।

फ्रायड द्वारा प्रतिवादित मन के इस पहलू को तीन भागों में बाँटा गया है — चेतन (Conscious), अर्द्धचेतन (Subconscious) तथा अचेतन (Unconscious)

इन तीनों का वर्णन निम्नांकित है —

(I) चेतन (Conscious) - चेतन से तात्पर्य मन के वैसे भाग से होता है जिसमें वे सभी अनुभव एवं संवेदनाएँ होती हैं जिनका संबंध वर्तमान से होता है। दूसरे शब्दों में, जिन विचारों, इच्छाओं, अनुभवों एवं प्रत्यक्षणों से हम वर्तमान समय में अवगत रहते हैं, वे सभी मिलकर चेतन का निर्माण करते हैं।

किस्कर (1985) के अनुसार, "चेतन क्रियाओं का संबंध तात्कालिक अनुभवों से होता है।"

फ्रायड के अनुसार चेतन मानसिक पहलू का एक छोटा-सा हिस्सा है। जैसे - अभी आप यह नोट लिख रहे हैं उससे जो अनुभूति आपके मन में हो रहा है वह चेतन है। जब आप किसी से बातचीत करते हैं तो उससे संबंधित जो अनुभव एवं विचार होते हैं, वह चेतन होता है। अतः स्पष्ट है कि चेतन का संबंध वास्तविकता (reality) से अधिक होता है।

फ्रायड के अनुसार चेतन की कुछ खास-खास विशेषताएँ होती हैं जिनमें से निम्नांकित प्रमुख हैं —

(i) चेतन मन का संबंध बाहरी जगत की वास्तविकताओं के साथ सीधा होता है।

(ii) यह मन का सबसे छोटा उपखण्ड है।

(iii) चेतन मन अर्द्धचेतन तथा अचेतन पर प्रतिबन्धक का कार्य करता है।

(iv) चेतन मन में वर्तमान विचारों एवं घटनाओं की जीवित स्मृति चिन्ह होते हैं। अतः उनकी पहचान तथा प्रत्याह्वान आसानी से किया जा सकता है।

(v) चेतन मन व्यक्तिगत, नैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आदर्शों का भण्डार के समान होता है।

To be Continued